सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 255 | जौनपुर, मंगलवार, 11 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बसपा में फिर तेज हुई आकाश आनंद की वापसी की मांग

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव में बुरी तरह शिकस्त के बाद बसपा में आकाश आनंद की वापसी की मांग तेज होती जा रही है। बीते दो दिन के दौरान सोशल मीडिया पर आकाश की वापसी की मांग वाला हैशटैग टॉप ट्रेंड करता रहा। साथ ही, बसपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर जयप्रकाश सिंह की वापसी की भी मांग की जा रही है। जयप्रकाश को छह साल पहले बसपा सुप्रीमो ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि बसपा को दोबारा स्थापित करने के लिए आकाश और जयप्रकाश की वापसी जरूरी है। बता दें कि आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाने के बाद अमेठी के दो बसपा नेताओं ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही लगातार पार्टी में आकाश की वापसी के लिए स्वर उठ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद आकाश के साथ जयप्रकाश की वापसी की भी मांग हो रही है। जयप्रकाश को बसपा सुप्रीमो मायावती ने छह साल पहले राहुल गांधी समेत कई नेताओं पर दिए गए विवादित बयान के बाद पार्टी से बाहर कर दिया था। उन पर पार्टी के नाम पर चंदा वसूलने का भी आरोप लगाया गया था। जयप्रकाश को मायावती के भाई आनंद कुमार का करीबी बताया जाता है। हालांकि निष्कासन के बाद भी वह लगातार बसपा का प्रचार करते रहे हैं।

बिभव कुमार की मुश्किलें बढ़ीं, सबूत मिटाने की धारा जोड़ी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने आप सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ साक्ष्य मिटाने और गलत जानकारी देने के लिए आईपीसी की धारा जोड़ी है। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मालीवाल पर हमला करने का आरोप है। अधिकारी ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना, या अपराधी को गलत जानकारी देना) जोड़ी गई थी। उन्होंने कहा कि धारा 201 में अपराध में सबसे बड़े अपराध के लिए दी गई सजा का छठा हिस्सा कारावास का प्रावधान है।

कुमार के खिलाफ एफआईआर 16 मई को आईपीसी के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थी, जैसे कि किसी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक धमकी, हमला या आपराधिक बल और गैर इरादतन हत्या का प्रयास करना। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व प्रमुख मालीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह केजरीवाल से मिलने गई थीं तो कुमार ने उन पर पूरी ताकत से हमला किया, थप्पड़ मारे और लात मारी।

बस पर आतंक वादी हमला 'कायराना कृत्य'

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू–कश्मीर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर रविवार को हुए आतंकवादी हमले को ''कायराना कृत्य'' बताते हुए कहा कि राष्ट्र पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में रविवार शाम आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर गोलीबारी की, जिससे बस खाई में जा गिरी।इस घटना में तीन महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य लोग घायल हुए हैं। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हुए आतंकवादी हमले से मैं व्यथित हूं। यह कायराना कृत्य मानवता के विरुद्ध अपराध है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। पूरा देश पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ा है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।'' इससे पहले, एक अन्य पोस्ट में राष्ट्रपति ने कहा था कि वह ''जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में हुई बस दुर्घटना के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं, जिसमें कई तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के परिजन के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'' इस पोस्ट को बाद में 'डिलीट' कर दिया गया था।

हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि राष्ट्र विकसित भारत के निर्माण के अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शाह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ–साथ गरीबों और किसानों के उत्थान की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत के लिए एक अविस्मरणीय दिन... श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की बहुत–बहुत बधाई। हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ–साथ गरीबों और किसानों

के उत्थान के लिए कटिबद्ध रहेगी और पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण को एकता के सूत्र में बाँधकर सशक्त भारत का निर्माण करेगी।''मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। मोदी के साथ शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर समेत वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति भवन में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी, 30 कैबिनेट मंत्रियों, पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों और 36 राज्य मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

मारे गए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर सरकार ने सोमवार को रियासी आतंकी हमले में मारे गए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मंजूर की। एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पर लिखा, ''रियासी आतंकी हमले में शहीद हुए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। घायल तीर्थयात्रियों का जम्मू और रियासी के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। रविवार को रियासी जिले के पोनी इलाके के येरयाथ गांव में उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया जिसमें 10 तीर्थयात्री मारे गए और 33 घायल हो गए। बस शिव खोरी मंदिर से कटरा शहर वापस आ रही थी, तभी आतंकवादियों ने उस पर गोलीबारी की। इसके बाद चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया। बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे 10 तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। एलजी सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया है। एलजी ने कहा, जम्मू–कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त सुरक्षा बल का अस्थायी मुख्यालय घटनास्थल पर स्थापित किया गया है और रियासी आतंकी हमले के अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है।

एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा – सचिन पायलट

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा और उसे

पिछले 10 वर्ष की तरह ''मनमाने ढंग से'' शासन नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है इसीलिए वह उस रवैये के साथ काम नहीं कर पाएगी जो पिछले 10 वर्षों में रहा। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, ''लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है..किसी एक दल को सरकार बनाने का जनादेश नहीं मिला है। अब मिली जुली सरकार है। भविष्य में देखते हैं क्या होता है? लेकिन मुझे लग रहा है कि जिस तरह का रवैया और शासन पिछले 10 साल में रहा वो शायद अब नहीं हो पायेगा।''

उन्होंने कहा, ''भविष्य में क्या होगा? यह मैं नहीं कह सकता हूं लेकिन शुरुआती संकेत दिखाते हैं कि तेवर ढीले पड़े हैं। जो पहले रवैया था उसमें तब्दीली आयेगी।'' उन्होंने कहा, ''अब संसद में जो विपक्षी दल हैं वह काफी संख्या में सीट जीत कर आये हैं तो मनमानी तरीके से पहले संसद में जो कार्यवाही हुआ करती थी वो अब हम नहीं होने देंगे। सारा विपक्ष एकजुट है...एकमत है।

सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका ने नई दिल्ली में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नई दिल्ली दिल्ली में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थीं।

शेख हसीना और गांधी परिवार के बीच संबंधों का पता उनके पूर्ववर्तियों के बीच संबंधों से लगाया जा सकता है। शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान के तत्कालीन भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे। इंदिरा गांधी ने 1971 में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्होंने पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता का समर्थन किया, जिसने लंबे समय

से कृतज्ञता और आपसी सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया है। शेख हसीना शनिवार को एक हाई–प्रोफाइल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नई दिल्ली दिल्ली पहुंचीं, जिसमें मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को यहां राष्ट्रपति भवन में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के लिए भोज का आयोजन किया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री मोहम्मद हसन महमूद ने कहा कि शेख हसीना ने भविष्य में संबंधों को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शपथ ग्रहण समारोह (प्रधानमंत्री मोदी और मंत्रिपरिषद के) में भाग लिया और उसके बाद, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आमने–सामने की बैठक की, जहां उन्होंने फिर से उन्हें और एनडीए को चुनाव जीतने के लिए बधाई दी।

कच्चातीव का मुद्दा उठाया जाना प्रधानमंत्री का 'अत्यंत गैर जिम्मेदाराना' कदम था - जयराम

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कच्चातीवु द्वीप का मुद्दा उठाने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए इसे ''अत्यंत गैरजिम्मेदाराना'' कदम बताया और कहा कि इससे श्रीलंका के साथ भारत के रिश्ते बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या मोदी और उनके सहयोगी श्रीलंका के साथ इतना बड़ा विवाद पैदा करने के लिए माफी मांगेंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर इस बात का जिक्र किया कि रविवार शाम हुए शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''कच्चातिवु मुद्दे को याद करें जिसे चुनाव प्रचार के दौरान एक तिहाई प्रधानमंत्री ने गढ़ा था और तमिलनाडु में भाजपा के लिए समर्थन हासिल करने के मकसद से उनके सहयोगियों ने इसे उठाया था।'' उन्होंने कहा,

''यह बेहद गैर–जिम्मेदाराना और इतिहास को गंभीर रूप से विकृत करने वाला कदम था। इससे श्रीलंका के साथ हमारे रिश्ते पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया।'' रमेश ने तमिलनाडु में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की एकतरफा जीत का हवाला देते हुए कहा कि राज्य की जनता ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के मछली पकड़ने वाले समुदायों की चिंताओं को स्थायी आधार पर सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की आवश्यकता है।'' रमेश ने कहा, ''क्या मोदी जी और उनके सहयोगी हमारे पड़ोसी के साथ इतना बड़ा विवाद पैदा करने के लिए माफी मांगेंगे, खासकर तब जब वह ''पड़ोसी प्रथम'' नीति का दावा करते हैं?'' किया था कि अतीत में प्रधानमंत्री रहे कांग्रेस के नेताओं ने कच्चातीवु द्वीप के प्रति उदासीनता दिखाई और कानूनी नजरिए के विपरीत होने के बावजूद भारतीय मछुआरों के अधिकारों को छीन लिया। जयशंकर की इस टिप्पणी से पहले मोदी ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि नए तथ्यों से पता चला है कि कांग्रेस ने कच्चातीवु द्वीप को ''संवेदनहीन तरीके से'' श्रीलंका को सौंप दिया था।

दिल्ली में जल संकट को लेकर हरियाणा सरकार के खिलाफ आप का विरोध–प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे जल संकट को लेकर आम आदमी पार्टी और हरियाणा सरकार के बीच विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन के बाहर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कारियों को हटाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल और पैरामिलिट्री फोर्स भी मौजूद रहे। आप कार्यकर्ताओं और नेताओं का आरोप है कि हिमाचल प्रदेश से भेजे जा रहे पानी को हरियाणा सरकार दिल्ली तक नहीं पहुंचने दे रही है। इसके कारण दिल्ली की जनता त्राहिमाम कर रही है। केजरीवाल सरकार में जल मंत्री आतिशी ने कहा, वजीराबाद बैराज में पानी का स्तर कम हो गया है और मुनक नहर में भी पानी कम आ रहा है। हमने एलजी से अनुरोध किया है कि मुनक नहर में कम पानी छोड़े जाने के बारे में हरियाणा सरकार से बात करें। दिल्ली के सात वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पानी के लिए मुनक नहर पर निर्भर हैं। एलजी ने हमें आश्वासन दिया है कि वे हरियाणा सरकार से बात करेंगे। उन्होंने कहा, हमें हरियाणा के रास्ते हिमाचल प्रदेश से पानी मिलना था, लेकिन अभी तक नहीं मिला है। अगर हरियाणा सरकार मुनक नहर में पानी छोड़ दे तो दिल्ली वालों की पानी की समस्या कम हो जाएगी। हमें सुप्रीम कोर्ट के हलफनामे से जानकारी मिली है कि हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकार के बीच भी जल विवाद चल रहा है। सोमवार की दोपहर से आप नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हरियाणा भवन के बाहर दिल्ली के हक के लिए विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया है। आप नेताओं ने आरोप लगाया है कि हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली के हक का पानी नहीं दे रही है। हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट का आदेश भी नहीं मान रही है। अपने हक के लिए पूरी दिल्ली सड़क से लेकर कोर्ट तक लड़ाई लड़ेगी और हरियाणा सरकार से अपने हक का पानी लेगी। गौरतलब है कि जल संकट से दिल्ली की जनता त्राहिमाम कर रही है। दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है और टैंकर के जरिए पानी सप्लाई करना पड़ रहा है।

जयशंकर की मोदी कैबिनेट में हुई वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछली मोदी सरकार में विदेश मंत्री रहे एस जयशंकर किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनकी बदौलत ही भारत ने विश्व के तमाम देशों

के बीच छिड़े युद्धों के राजनियक निपटारों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉक्टर सुब्रमण्यम जयशंकर का जन्म 9 फरवरी 1955 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता कृष्णस्वामी सुब्रमण्यम एक नौकरशाह और माता सुलोचना सुब्रमण्यम एक शिक्षिका थीं। जयशंकर का पालन पोषण एक तमिल हिंदू परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली के एयर फोर्स स्कूल और बेंगलुरु मिलिट्री स्कूल से पूरी की। जिसके बाद जयशंकर ने सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में परास्नातक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में पीएचडी की उपाधि भी धारण की। प्रतिभा के धनी डॉक्टर जयशंकर सिर्फ 6 महीने की कड़ी मेहनत की बदौलत 1977 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। अपने 38 साल के राजनयिक सफर में उन्होंने भारत और विदेश में विभिन्न पदों पर सेवायें दीं। इस दौरान वे सिंगापुर, चेक गणराज्य, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत भी रहे।

सीएम योगी ने राजनाथ–शाह व गडकरी से की मुलाकात

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी से सोमवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। भाजपा के तीनों नेताओं ने रविवार को मोदी–3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। 2024 लोकसभा चुनाव जीतने के बाद तीनों वरिष्ठ नेताओं से योगी आदित्यनाथ की यह पहली मुलाकात है। सीएम योगी नरेंद्र मोदी समेत मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे।

जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां देश को पहुंचाना है – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएमओ अधिकारियों को संबोधित करते पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 10 साल पहले हमारे देश में एक छवि बनी हुई थी कि पीएमओ एक शक्ति का केंद्र है, एक बहुत बड़ा पावर सेंटर है और मैं न सत्ता के लिए पैदा हुआ हूं और न मैं शक्ति आर्जित करने के लिए सोचता हूं। हमने 2014 से जो कदम उठाए हैं, हमने इसे एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। पीएमओ को लोगों का पीएमओ होना चाहिए और यह मोदी का पीएमओ नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम वो लोग नहीं हैं जिनका ऑफिस इतने बजे शुरू होता है और इतने बजे खत्म होता है। हम वो लोग नहीं हैं, हम समय से बंधे नहीं हैं, हमारी सोच की कोई सीमा नहीं है, और हमारे प्रयासों का कोई मापदंड नहीं है।

जो इससे परे हैं वो मेरी टीम हैं और देश उस टीम पर भरोसा करता है। उन सभी को मेरा निमंत्रण है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित भाव से खप जाना चाहते हैं। अब समय 10 साल जो मैंने सोचा, उससे ज्यादा सोचने और करने का है। अब जो करना है, वैश्विक मापदंडों को पार करते हुए करना है। जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है।

संपादकीय

उपजे खाद्य स्रोतों की महत्ता

वैसे तो शहरीकरण को लंबे समय से मानव विकास और प्रगति के साथ जोड़ा गया है, लेकिन तेजी से बढ़ता शहरीकरण अपने साथ कई चुनौतियाँ लेकर आता है। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि शहरी परिवेश असमानताओं और स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है। इन क्षेत्रों में, निवासियों के लिए उपलब्ध खाद्य विविधता धीरे–धीरे सीमित होती जा रही है, जो मुख्य रूप से खाद्य उत्पादन और वितरण की वैश्विक प्रणाली के कारण है। शहरों में उपभोग की जाने वाली अधिकांश उपज दूरदराज के स्थानों से प्राप्त की जाती है, जिसके लिए लंबे परिवहन समय और व्यापक संरक्षण प्रयास आवश्यक होते हैं। ताजगी बनाए रखने के लिए भंडारण और रसायनों का उपयोग होता है, जो खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य को महत्वपूर्ण रूप से कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, फल और सब्जियां, कटाई के तुरंत बाद अपने विटामिन और खनिजों को खोना शुरू कर देते हैं मगर ये मंडियों में काफी देर से पहुंचते हैं। परिवहन और भंडारण में बिताए गए समय के कारण शहरी बाजारों में पहुंचने तक ये खाद्य पदार्थ कम लाभकारी हो जाते हैं। यह न केवल लोगों के पोषण को प्रभावित करता है बल्कि उनके स्थानीय रूप से अनुकूलित खाद्य किस्मों और उनके आहार की समग्र गुणवत्ता को भी कम करता है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के युग में, खाद्य स्रोतों की विश्वसनीयता और स्थिरता भी प्रभावित हो गई है, इसलिए हमारे आहार में विविधता लाना महत्वपूर्ण है। यह विविधीकरण न केवल खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थिर करने में मदद करता है, बल्कि जैव विविधता का भी समर्थन करता है, जो पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र अनुकूलनशीलता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। खाद्य स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में फोरेजिंग यानी स्वतः उपजे खाद्य स्रोतों जैसे की अपने आस पास उगने वाले जंगली या अर्ध–जंगली पौधों को भोजन के रूप में इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में फोरेजिंग कोई नई बात नहीं है। गांव में तो यह आम चलन है मगर शहरों में भी फोरेजिंग अब चलन मैं है। शहरी फोरेजिंग में बढ़ती दिलचस्पी ऐसे समय में आई है जब मौसम के अनुकूल खाने की जरूरत बढ़ गई है। कम साधनों से उगने वाले, बिना खेती किए खाद्य पदार्थ, सूखा, गर्मी और बाढ़ जैसी मुश्किल परिस्थितियों के लिए एक अच्छा समाधान हैं। कुछ लोग फोरेजिंग का इस्तेमाल अपनी जीविका चलाने के लिए करते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए, यह सांस्कृतिक, मनोरंजक और पोषण का एक तरीका है। फोरेजिंग आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों को अतिरिक्त आय देती है और उनके जीवन को बेहतर बनाती है। इन फलों और जंगली पौधों को आमतौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि इनमें मुख्य फसलों से ज्यादा पोषक तत्व होते हैं और ये कठोर मौसम का भी सामना कर सकते हैं। शहरी परिवारों में, खाद्य सुरक्षा में सुधार, गरीबी कम करने और प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाने में यह विधि एक नेचर बेस्ड सलूशन (छईं) की तरह कार्य करती है। जब हम फोरेज किए गए पौधों की बात कर रहे हैं, तो हम उन फलों को कैसे भूल सकते हैं जो हमें इस गर्मी के मौसम में राहत देते हैं। उत्तर भारत में गर्मियों के महीनों के दौरान, श्बेलश और श्फालसाश जैसे जंगली फल गर्मी से राहत देने के साथ–साथ आवश्यक हाइड्रेशन और पोषक तत्व प्रदान करते हैं। बेल का फल, न केवल पाचन में मदद करता है बल्कि शरीर को ठंडा भी करता है। फालसा, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन, और खनिजों का भंडार है जो गर्मी से लड़ने में मदद करते हैं। ये बेरियाँ कच्ची खाई जा सकती हैं या जूस बनाया जा सकता है। ये दोनों फल स्वादिष्ट स्वादिस्ट होने के साथ साथ पारंपरिक स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं, जिससे वे गर्मियों की तीव्र गर्मी से निपटने के लिए स्थानीय आहारों में लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं। ऐसे हे जब हम दक्षिण भारत की तरफ चलते हैं तो पन्नेराले और शर्बत बल्ली की बात न की जाये, ऐसा नहीं हो सकता। पन्नेरले से निकाला गया रस एंटीऑक्सीडेंट और विटामिनों से भरपूर होता है जो शरीर को ठंडा करने और प्रतिरक्षा बढ़ाने में मदद करता है। इसी तरह, जामुन, बेर, कटहल, और आंवला ऐसे फल हैं जो भारत भर में आसानी से मिल जाते हैं और देश के आहार संरचना का एक अभिन्न हिस्सा हैं। इन फलों को उनके अलग स्वाद और सेहत के फायदों के लिए पसंद किया जाता है, और ये आसानी से फोरेज किए जाते हैं, जिससे इन्हें बिना खरीदे ही सुलभ बनाया जा सकता है।जहां जामुन, खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने के लिए जाना जाता है, जिससे यह मधुमेह रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक है वहीँ बेर, विटामिन सी से भरपूर, ताजा और सूखे दोनों रूपों में इसकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए प्रिय है। कटहल, का उपयोग करी से लेकर मिठाइयों तक कई प्रकार के व्यंजनों में किया जा सकता है। आंवला अपने एंटीऑक्सीडेंट और प्रतिरक्षा बढ़ाने की क्षमता के लिए जाना जाता है और यह त्वचा की सेहत को भी सुधारता है। भारत में, फोरेजिंग अभी भी ग्रामीण आहारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, जिसमें तरह–तरह की देसी प्रजातियां शामिल हैं जो पोषण और दवाई के गुणों से भरपूर हैं, मगर शहरों में भी कई ऐसी पौध प्रजातियां आसानी से मिल जाती हैं जो मनुष्य के स्वाद और स्वस्थ दोनों का धयान रखती हैं।

लोकसभा चुनाव मे भाजपा और कांग्रेस के प्रदर्शन

विनोद

पूरे क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में एक सीट का नुकसान किसी पार्टी के लिए बहुत बड़ा झटका नहीं हो सकता। पूर्वोत्तर में 2019 में भारतीय जनता पार्टी की कुल 25 में से 14 सीटें अब 13 हो गई हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में उसके सहयोगियों ने भी कुछ सीटें खो दी हैं। कांग्रेस की बढ़त बहुत ज़्यादा नहीं थी, लेकिन मणिपुर की दोनों सीटों पर उसकी जीत निश्चित रूप से नाटकीय थी। मेइतेई क्षेत्र में आंतरिक मणिपुर सीट, जिस पर भाजपा को जीत का भरोसा था, पहली बार कांग्रेस के उम्मीदवार के पास चली गई और बाहरी मणिपुर, कुकी–जो और नागा क्षेत्र में भाजपा समर्थित नागा पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार भी कांग्रेस से हार गए। लोगों का संदेश स्पष्ट था – साल भर चले खूनी जातीय संघर्ष के दौरान भाजपा और उसके सहयोगियों और केंद्र द्वारा संचालित राज्य सरकार के कुप्रबंधन और लापरवाही के खिलाफ। युद्धरत पक्षों को स्पष्ट रूप से कांग्रेस में साझा उम्मीद दिखी और वह भी कुकी–जो के चुनावों का बहिष्कार करने के शुरुआती फैसले के बाद। कांग्रेस ने फिर से नागालैंड की सीट जीती, राज्य सरकार के गठबंधन की भाजपा समर्थित नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को हराया, संभवतः धर्मनिरपेक्षता, आदिवासी अधिकारों और ईसाई समाज के मूल्यों के बारे में चिंताओं के कारण। मेघालय में, राज्य सरकार में भाजपा की सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी, तुरा में कांग्रेस से हार गई, जबकि कांग्रेस शिलांग सीट हार गई। नई, गैर–संबद्ध क्षेत्रीय वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी ने यह जीत हासिल की, जो मिजोरम में गैर–संबद्ध जोरम पीपुल्स मूवमेंट की जीत जितनी ही उल्लेखनीय थी। ZPM ने भाजपा समर्थित मिजो नेशनल फ्रंट को लोकसभा में और पहले विधानसभा में हराया। भाजपा ने त्रिपुरा की दो सीटें बरकरार रखीं और असम में अपनी नौ सीटें बरकरार रखीं। वहां उसके सहयोगी, असम गण परिषद और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल, ने एनडीए के लिए दो लाभ में से प्रत्येक ने एक सीट जीती। लेकिन कांग्रेस ने जोरहाट जीता, जिसे भाजपा ने एक प्रतिष्ठा सीट के रूप में चिह्नित किया था। इसने धुबरी और नागांव में भी जीत हासिल की, जहां सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय का दबदबा है, जबकि बारपेटा में हार का सामना करना पड़ा, जाहिर तौर पर इसलिए क्योंकि परिसीमन ने इसे बहुसंख्यक समुदाय का इलाका बना दिया। असम में ध्रुवीकरण भाजपा की मदद करता है, जिससे उसकी सीटों की संख्या अधिक रहती है। लेकिन लोगों की पसंद का स्पष्ट चित्रण बदलावों और परिवर्तनों में देखा जा सकता है, न केवल कांग्रेस की सीटों में मामूली वृद्धि में, बल्कि क्षेत्रीय दलों की सफलता में भी, चाहे वे कितने भी नए क्यों न हों।

विनोद

पूरे क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में एक सीट का नुकसान किसी पार्टी के लिए बहुत बड़ा झटका नहीं हो सकता। पूर्वोत्तर में 2019 में भारतीय जनता पार्टी की कुल 25 में से 14 सीटें अब 13 हो गई हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में उसके सहयोगियों ने भी कुछ सीटें खो दी हैं। कांग्रेस की बढ़त बहुत ज़्यादा नहीं थी, लेकिन मणिपुर की दोनों सीटों पर उसकी जीत निश्चित रूप से नाटकीय थी। मेइतेई क्षेत्र में आंतरिक मणिपुर सीट, जिस पर भाजपा को जीत का भरोसा था, पहली बार कांग्रेस के उम्मीदवार के पास चली गई और बाहरी मणिपुर, कुकी–जो और नागा क्षेत्र में भाजपा समर्थित नागा पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार भी कांग्रेस से हार गए। लोगों का संदेश स्पष्ट था – साल भर चले खूनी जातीय संघर्ष के दौरान भाजपा और उसके सहयोगियों और केंद्र द्वारा संचालित राज्य सरकार के कुप्रबंधन और लापरवाही के खिलाफ। युद्धरत पक्षों को स्पष्ट रूप से कांग्रेस में साझा उम्मीद दिखी और वह भी कुकी–जो के चुनावों का बहिष्कार करने के शुरुआती फैसले के बाद। कांग्रेस ने फिर से नागालैंड की सीट जीती, राज्य सरकार के गठबंधन की भाजपा समर्थित नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को हराया, संभवतः धर्मनिरपेक्षता, आदिवासी अधिकारों और ईसाई समाज के मूल्यों के बारे में चिंताओं के कारण। मेघालय में, राज्य सरकार में भाजपा की सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी, तुरा में कांग्रेस से हार गई, जबकि कांग्रेस शिलांग सीट हार गई। नई, गैर–संबद्ध क्षेत्रीय वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी ने यह जीत हासिल की, जो मिजोरम में गैर–संबद्ध जोरम पीपुल्स मूवमेंट की जीत जितनी ही उल्लेखनीय थी। ZPM ने भाजपा समर्थित मिजो नेशनल फ्रंट को लोकसभा में और पहले विधानसभा में हराया। भाजपा ने त्रिपुरा की दो सीटें बरकरार रखीं और असम में अपनी नौ सीटें बरकरार रखीं। वहां उसके सहयोगी, असम गण परिषद और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल, ने एनडीए के लिए दो लाभ में से प्रत्येक ने एक सीट जीती। लेकिन कांग्रेस ने जोरहाट जीता, जिसे भाजपा ने एक प्रतिष्ठा सीट के रूप में चिह्नित किया था। इसने धुबरी और नागांव में भी जीत हासिल की, जहां सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय का दबदबा है, जबकि बारपेटा में हार का सामना करना पड़ा, जाहिर तौर पर इसलिए क्योंकि परिसीमन ने इसे बहुसंख्यक समुदाय का इलाका बना दिया। असम में ध्रुवीकरण भाजपा की मदद करता है, जिससे उसकी सीटों की संख्या अधिक रहती है। लेकिन लोगों की पसंद का स्पष्ट चित्रण बदलावों और परिवर्तनों में देखा जा सकता है, न केवल कांग्रेस की सीटों में मामूली वृद्धि में, बल्कि क्षेत्रीय दलों की सफलता में भी, चाहे वे कितने भी नए क्यों न हों।

सबके अस्तित्व के लिए आवश्यक है दायित्वबोध

पंकज

कब्जे के लिए सूखतीं, घरेलू व अन्य निस्तार के कारण बदबू मारतीं, पानी की आवक के रास्ते में खड़ी रुकावटों से सूखतीं, सफाई न होने से उथली होतीं और जलवायु परिवर्तन से जूझतीं दुनिया भर की झीलें बीमार हो रही हैं। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'अर्थ फ्यूचर' के ताजा अंक में प्रकाशित शोध 'ग्लोबल लेक हेल्थ इन एंथरोपोसेन रू सोशल इंप्लीकेशन ऐंड ट्रीटमेंट स्ट्रेटजीस' में चेतावनी दी है कि जिस तरह मानव स्वास्थ्य के लिए रणनीति बनाई जाती है, ठीक उसी तरह झीलों की तंदुरुस्ती के लिए व्यापक नीति जरूरी है। इस शोध में 10 हेक्टेयर से अधिक फैलाव वाली दुनिया की 14,27,688 झीलों की सेहत का आकलन कियाघ्गया है, जिनमें भारत की 3043 जल निधियां भी हैं। यह समझना होगा कि झीलें जीवित प्रणालियां हैं, जिन्हें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन, प्रसन्न रहने के लिए स्वच्छ पानी, अपने भीतर जीव–जंतु जीवित रखने के लिए संतुलित ऊर्जा और पोषक तत्वों की आपूर्ति की आवश्यकता होती है। इन्सान की ही तरह झीलें विभिन्न रोगों की शिकार हो रही हैं, जैसे–बुखार आना अर्थात अधिक गरम होना, परिसंचरण, श्वसन, पोषण और चयापचय संबंधी मुद्दों से लेकर संक्रमण और विषाक्तता की तरह झीलों की कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक बात और झीलें बारिश से जितना पानी पाती हैं, उससे दोगुना वाष्पित करती हैं।घ्झीलों की सेहत से बेपरवाही रही, तो समूचे पर्यावरणीय तंत्र पर इसका असर पड़ेगा, जिससे झीलों पर निर्भर बड़ी आबादी के सामाजिक–आर्थिक जीवन में भूचाल आ जाएगा। भारत का हर तालाब अपने आसपास भूवैज्ञानिक इतिहास और पर्यावरणीय महत्व की एक अनूठी कहानी समेटे हुए है। भारत जैसे देश में जहां, तालाबों के किनारे कई पर्व, मान्यताएं और धार्मिक गतिविधियां अनिवार्य मानी जाती हैं, उनका अस्तित्व ही झील की सेहत पर निर्भर है। झील–तालाब बीमार हो, तो इलाके का कार्बन और ताप अवशोषण प्रभावित होता है, जो जैव विविधता को क्षति और बाढ़–सूखे के रूप में सामने आता है। स्थानीय समाज का जलस्रोत यदि सेहतमंद न हो, तो जलजनित रोग बढ़ेंगे। तालाब–झील में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी खतरनाक है। यह अन्य जलचरों और वनस्पति के लिए जानलेवा है। जलकुंभी या फिर पानी में अधिक मात्रा में दूषित अवशिष्ट का मिलना, गंदे पानी का निस्तार ऑक्सीजन कम होने के मूल कारक हैं। इससे पानी की क्षारीयता भी बढ़ती है, जो किसी तालाब के गंभीर रूप से बीमार होने का लक्षण है। इन्सान के स्वस्थ शरीर की ही तरह झीलों को भी पर्याप्त ऑक्सीजन और अति क्षारीयता से मुक्ति चाहिए होती है। एक बात और, यदि दरिया का पानी हृष्ट–पुष्ट न हो, तो उससे उगने वाले उत्पाद में भी पौष्टिकता में कमी होती है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि झीलों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। गंभीर जल दोहन और बरसात की अनियमितता के कारण कई झीलों में जलस्तर तेजी से नीचे गिरा, जबकि दूसरी तरफ पेयजल, सिंचाई और मछली पालन आदि में पानी की खपत बढ़ी है। इससे झीलों का पोषण–संतुलन तब गड़बड़ा जाता है, जब उसमें पोषक तत्वों की सांद्रता या तो अधिक हो जाए या फिर बहुत कम हो जाए।

नई सरकार के सामने तीन बड़े सुधार

आदित्य

राजनीतिक विश्लेषक लोकसभा चुनाव अप्रत्याशित फैसले को समझने की कोशिश में लगे हैं, जो भाजपा के लिए करारा तमाचा है, वहीं आर्थिक और कारोबारी विश्लेषक ष्सुधारोंष के भविष्य को लेकर चिंता में रातों की नींद हराम कर रहे हैं। समस्या यह है कि हम किन सुधारों

की बात कर रहे हैं और किसकी चिंता कर रहे हैं? यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी आय और शैक्षणिक स्थिति क्या है। एक कम शिक्षित– लेकिन– समृद्ध व्यापारी एक अत्यधिक स्थानीय मशीनरी में सुधारों के बारे में अधिक चिंतित होगा। एक शिक्षित–और–समृद्ध कॉर्पोरेट पेशेवर करों के बारे में चिंतित होगा। एक कम शिक्षित और गरीब भारतीय आश्चर्यचकित होगा कि आखिर यह सब क्या हो रहा है। फिर भी, बयानबाजी और वाद–विवाद से परे, आर्थिक सुधार मायने रखते हैं। 1991 के बाद से बहुत बदनाम आर्थिक सुधारों ने ही 500 मिलियन से अधिक भारतीयों को विभिन्न रंगों के शासन के तहत अपमानजनक गरीबी से बाहर निकाला है। लेकिन कार्य और प्रक्रिया, जैसा कि लगभग सभी समझदार अर्थशास्त्री सहमत हैं, अभी खत्म नहीं हुई है। गठबंधन की होड़ को भूल जाइए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मोदी 3.0 को किन सबसे महत्वपूर्ण सुधारों पर ध्यान देने की आवश्यकता है? मैं तीन 'गरीब–हितैषी' सुधारों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ जो भारत को और बदल सकते हैं। मोदी 2.0 की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक यह थी कि कृषि सुधार कानून वास्तव में गरीबों की मदद कैसे करेंगे, इस बारे में प्रभावी ढंग से संवाद करने में यह निराशाजनक था। इसने पहले कृषि कानूनों को लागू किया और फिर सड़क पर सत्ता के आगे घुटने टेक दिए। मुझे अभी भी विश्वास है कि कृषि कानून छोटे किसानों और भूमिहीन मजदूरों को बहुत लाभ पहुँचाएँगे। तथ्य यह है कि भारत में 85 प्रतिशत से अधिक किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है। अनुबंध खेती, मंडी बिचौलियों के बंधक बनने के बजाय डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से दुनिया में कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता और सहकारी समितियों के गठन के लिए भूमि एकत्र करना (यह उन इलाकों में बहुत सफल रहा है जहाँ अमूल की तरह प्रयास किया गया) अमीर किसानों की मदद नहीं कर सकता है। लेकिन वे उन किसानों के लिए वरदान साबित होंगे जिन्हें सीमांत कहा जाता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अनुबंध खेती और अन्य उपाय भारत भर में विशाल कोल्ड स्टोरेज सुविधाएँ स्थापित करने के लिए बड़े निजी निवेशकों को प्रोत्साहित करेंगे जो लाखों नहीं तो सैकड़ों हजारों नौकरियाँ प्रदान करेंगे। बेशक, कोल्ड स्टोरेज के निवेशक बहुत सारा पैसा कमाएंगे। लेकिन सीमांत किसान और भूमिहीन मजदूर भी ऐसा ही करेंगे, जिन्हें ऐसी नौकरी मिलेगी जिसका वे अभी सपना भी नहीं देख सकते। अभी उत्पादित फलों और सब्जियों का बमुश्किल एक चौथाई ही प्रसंस्कृत किया जाता है। कल्पना कीजिए कि जब तीन–चौथाई का भंडारण और प्रसंस्करण किया जाता है, तो ग्रामीण आय पर इसका क्या असर होगा। जहाँ तक इस डर की बात है कि अडानी जैसे लोग गरीब किसानों की जमीन हड़प लेंगे, तो यह सिर्फ बकवास है। इसके बावजूद भी, बहुत से लोग अभी भी आजीविका के लिए कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर रहेंगे (लगभग 50 प्रतिशत अभी भी ऐसा करते हैं)। एकमात्र समाधान यह है कि उनमें से करोड़ों लोग आजीविका के दूसरे स्रोतों की ओर चले जाएँ। एकमात्र उपलब्ध विकल्प बड़े पैमाने पर कारखाने हैं। इसका समाधान उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन इन्सेन्टिव्स (पीएलआई) जैसी योजनाओं पर और भी अधिक जोर देना है जो घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करती हैं। बहुत से अर्थशास्त्री तर्क देते हैं कि पीएलआई न केवल पैसे की बर्बादी है, बल्कि एक वास्तविक मूल्य– वर्धित विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भी विफल है। यह एक दोषपूर्ण तर्क है, अगर मोदी डिरेंजमेंट सिंड्रोम से प्रेरित न हो। पूर्वी और दक्षिण–पूर्व एशिया के हर देश ने पीएलआई जैसी योजनाओं को बेरहमी से लागू करके सफल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, जो घरेलू उद्यमियों को प्रभावी रूप से भारी सब्सिडी प्रदान करता है। आप इसे क्रोनी कैपिटलिज्म कह सकते हैं। लेकिन इन देशों में ऐसी योजनाओं के लागू होने के बाद से कम नागरिक गरीब हैं। केवल विशाल कारखाने ही कृषि पर निर्भर नागरिकों को कम उत्पादकता–कम आय के जाल से स्थायी रूप से बाहर निकलने में सक्षम बनाएंगे। यह हमें तीसरे महत्वपूर्ण सुधार की ओर ले जाता हैरू श्रम कानून। किसी तरह, कई भारतीय श्रम कानून सुधारों का विरोध करते हैं क्योंकि वे इसे मजदूर विरोधी मानते हैं और उद्योगपतियों को श्रमिकों का और अधिक शोषण करने का लाइसेंस देते हैं। एक बार फिर, यह बकवास है। लगभग 90 प्रतिशत श्रमिक असंगठित क्षेत्र में हैं, और उनका वैसे भी बेरहमी से शोषण किया जा रहा है। श्रम कानून सुधार दो काम कर सकते हैं। पहला, वे श्रमिकों को लंबे समय तक काम करने और अधिक कमाने में सक्षम बनाएंगे। दूसरा, विशाल कारखाने तभी बनेंगे जब उद्यमियों के पास ऑर्डर के आधार पर काम पर रखने की लचीलापन होगी और तथाकथित श्स्थायीश कर्मचारियों के साथ फंसना नहीं होगा। मैंने इस पेपर में तमिलनाडु में क्डज्ञ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 12 घंटे की कार्य शिफ्ट को सक्षम करने के लिए कानून में बदलाव के बारे में लिखा था। श्रमिकों ने इस कदम का स्वागत किया। लेकिन 'श्रमिक–समर्थक' निहित स्वार्थों की ओर से इसका इतना तीखा विरोध हुआ कि इस कदम को छोड़ दिया गया। बड़े पैमाने पर विनिर्माण निवेश तभी आएगा जब पीएलआई जैसी योजनाएं और श्रम सुधार दोनों लाए जाएंगे। निश्चित रूप से, यह टाइकून को अरबों कमाने में सक्षम बनाएगा। लेकिन यह लाखों श्रमिकों को अपने परिवार की आय में उछाल देखने को भी सुनिश्चित करेगा। हम आय और धन असमानता के बारे में बहस कर सकते हैं। लेकिन मुझे यकीन है कि जिस कर्मचारी की आय 10,000 रुपये प्रति माह से बढ़कर 30,000 रुपये हो जाती है, उसे असमानता की कोई परवाह नहीं है। क्या एक कमजोर गठबंधन सुधार ला सकता है?

हालात तो और भी गीले हो सकते हैं, तो चलिए बदलाव करें

ललित

वे कहते हैं कि परिवर्तन ही एकमात्र स्थिर चीज है। और आज दुनिया के लिए यह बिलकुल सच हैय हम एक झटके से दूसरे झटके की ओर बढ़ रहे हैं, क्योंकि हम जो कुछ भी जानते थे और जिसे अपने अस्तित्व का आधार मानते थे, वह हाल के वर्षों में तेजी से बदल रहा है। पूरी दुनिया में, हमने पहले कभी नहीं देखी गई तरह की खराब और चरम मौसम की स्थिति का सामना किया है! जो कभी–कभी जीवन में एक बार होने वाले अजीब तापमान, तूफान, बाढ़, जंगल की आग और अन्य विनाशकारी प्राकृतिक घटनाएँ हुआ करती थीं, वे अब नियमित विशेषताएँ बन गई हैं। इस महीने दिल्ली में तापमान लगभग 50 डिग्री तक बढ़ गया, जो कथित तौर पर भारत में अब तक का सबसे अधिक तापमान है, जबकि हम ब्रिटेन में बाढ़ की चपेट में हैं, जो रिकॉर्ड पर सबसे अधिक 18 महीनों से गुजर रहा है। यह विपरीत अनुभव की तरह लग सकता है लेकिन एक ही स्रोत से निकलता है – ग्लोबल वार्मिंग का अभूतपूर्व और खतरनाक स्तर जो हमने पृथ्वी पर डाला है। जब 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर एक ब्रेक्सिट विरोधी प्रदर्शनकारी ने पॉप बैंड डीरूरीम के गान, श्थिंग्स कैन ओनली गेट बेटरश के साथ ऋषि सुनक की पूरी तरह से भीगी हुई चुनावी घोषणा को दबा दिया, और टैब्लॉयड ने यह दावा किया कि डूबे हुए बिल्ली के बच्चे की तरह दिखने वाले पीएम की तस्वीरें साबित करती हैं कि उनके लिए हालात और भी खराब हो रहे हैं, तब उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि हम सभी एक ही दुर्भाग्यपूर्ण भाग्य की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, हर आने वाली आपदा प्राकृतिक नहीं है, क्योंकि कई आपदाएँ तकनीक द्वारा संचालित होती हैं। हमारे जीवन पर एआई का नियंत्रण एक भयावह दुःस्वप्न है जो वास्तविकता में घुस रहा है। कला, शिक्षाविद और मीडिया, पहले से ही इसके प्रसार से पीड़ित हैं, जिसमें नौकरी छूटना, रचनात्मक और बौद्धिक मानकों में गिरावट, साहित्यिक चोरी और अन्य अपराध शामिल हैं। एक पुनरुत्थानशील अधिकार, बढ़ती कट्टरता और तीसरे विश्व युद्ध का खतरा, अन्य भयावहताएँ हैं जो प्रतिशोध के साथ वापस आ गई हैं। फिर भी, क्या अतीत के अंधेरे का फिर से उभरना परिवर्तन को चक्रीय बनाता है, न कि नई शुरुआत का अग्रदूत? क्या हम इतिहास के सबक का इस्तेमाल करके उनसे नहीं लड़ सकते? लेकिन सच कहें तो क्या वे ज़्यादातर लोगों के दिमाग में भी हैं? क्या इसका यह भी मतलब है कि हम पुनर्चक्रण कर रहे हैं और ग्रह को बचाने के अपने छोटे–मोटे प्रयासों के बारे में कम दोषी महसूस कर सकते हैं? यह दुखद है, मेरे दोस्तों। मार्क ट्वेन ने कहा था कि बदलाव को पसंद करने वाला एकमात्र व्यक्ति गीला लंगोट वाला बच्चा होता है। बदलाव निस्संदेह हममें से ज़्यादातर लोगों को अस्थिर, यहाँ तक कि उलझन में डाल देता है और अस्तित्व की बदलती रेत पर पैर जमाने के लिए संघर्ष करने लगता है। यह भी अक्सर कहा जाता है कि जीवन में केवल तलाक, कर और मृत्यु ही निश्चित हैं और निरंतर परिवर्तनशील अवस्था में बाकी सब कुछ है। तो क्या युग्मन से वियोग, धन से कंगाल और जीवन से मृत्यु तक के बदलाव ही एकमात्र प्रक्षेपवक्र हैं? क्या यह वाकई इतना बुरा है? अरे, शायद नहीं। जरूर, बदलाव तब आता है जब हम तैयार नहीं होते और जब हम इसे लाना चाहते हैं, तो यह अपने कदम पीछे खींच लेता है। चीन की दुकान में बैल की तरह, यह कभी नहीं जानता कि यह आ रहा है या जा रहा है! लेकिन इस महीने हमारे साथ सकारात्मक बदलाव हुए हैं। भारत में अप्रत्याशित रूप से संतुलित आम चुनाव परिणाम ऐसा ही एक है। कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति, चाहे वह किसी भी राजनीतिक झुकाव का हो, यह स्वीकार करना होगा कि मौजूदा राष्ट्रपति को यह सुनिश्चित करने के लिए परेशान करना कि वह अपना ताज बरकरार रखने के लिए कड़ी मेहनत करे (या हमेशा बदलते विस्तृत हेडड्रेस की श्रृंखला) हमेशा एक राष्ट्र के लिए अच्छा होता है। भारतीय लोकतंत्र कितना मजबूत है, इसका प्रमाण यह है कि भारत इसके लिए उचित रूप से अपनी पीठ थपथपा सकता है। ष्चुनावी लोकतंत्र (भारत में) जीवित है। उच्च मतदान, प्रतिस्पर्धी चुनाव और एक ऐसा परिणाम जिस पर विवाद होने की संभावना नहीं है, भारतीय चुनावों की ताकत को प्रमाणित करता है – एक ऐसे क्षेत्र में जहां हाल ही में धांधली या अविश्वसनीय चुनावों के मामले सामने आए हैं और तालिबान के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान में, जहां चुनाव बिल्कुल भी नहीं होते हैं,ष मैंने दक्षिण एशियाई विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन को बीबीसी से यह कहते हुए पाया, जब मैंने हर उस समाचार प्लेटफॉर्म को देखा जो इसकी झलक दिखाने के लिए जाना जाता है। बधाई हो, मेरे रिश्तेदार! ब्रिटेन में, सरकार का परिवर्तन अपरिहार्य लगता है, और चाहे आप केयर को अपग्रेड मानें या नहीं (यदि आप टोरी कपड़े को अनदेखा करना चाहते हैं जिससे वह काटा गया है), ऑगियन अस्तबल की समय–समय पर सफाई हमेशा स्वस्थ होती है। लेकिन तालाब के उस पार, ट्रम्प के अजीब– से– आश्चर्य जनक –यद्यपि–पूरी तरह से–योग्य अभियोग, अंततः उनके कई पापों के एक छोटे से अंश के लिए उत्तरदायी ठहराया गया, कुछ भी नहीं बदलेगा। फिर भी, उनके लिए वोट करने वाले रेडनेक्स के झुंड के साथ, वह बेशर्मी से जेल से अमेरिका की अध्यक्षता करेंगे – आह, जंगली, जंगली पश्चिम। आप देखते हैं, परिवर्तन को प्यार करना एक सुसंस्कृत स्वाद है। मेरे खानाबदोश बचपन ने मुझे कुल छह स्कूलों में पढ़ने का अवसर दिया, और मैंने अपनी हमेशा–नए–क्लास–में–बच्चे की स्थिति को अपनाना, यहाँ तक कि उसका आनंद लेना सीखा। मैंने पाया कि परंपराओं और दकियानूसी अपेक्षाओं की बाध्यताएँ नए लोगों पर तुरंत नहीं थोपी जातीं, बल्कि उन्हें सांस लेने और बढ़ने का एक अवसर प्रदान करती हैं। मुझे याद है कि वयस्क होने पर मैं इस स्वतंत्रता की कामना करता था, और पत्रकार और लेखक का मेरा चुना हुआ पेशा, मुझे अलग–अलग दिनों में अलग–अलग भूमिकाएं निभाने और हाल ही तक घुमक्कड़ जीवन जीने की अनुमति देता है, जिससे मुझे वास्तव में कुछ स्वतंत्रता मिली है। जिस तरह परिवर्तन अक्सर स्वतंत्रता की खोज से प्रेरित होते हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत राजेपुर प्रथम ,विकास खण्ड–धर्मापुर,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0म0/ दिनांक 10.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11.06.2024 से 18.06.2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 18.06.2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 2 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — श्रीमती मनोरमा सिंह

ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव — अखिलेश कुमार

कार्यालय ग्राम पंचायत सुंगुलपुर ,विकास खण्ड–सिकरारा,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0म0/ दिनांक 10.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11.06.2024 से 17.06.2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 17.06.2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 2 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैर्क्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान — दयाराम

ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव — प्रदीप शंकर श्रीवास्तव

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने गौशाला का किया निरीक्षण

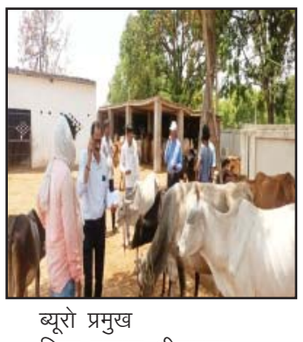

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिरकोनी क्षेत्र के कबूलपुर गांव के गौशाला पर मंगलवार को मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। गौशाला में उपस्थित केयर टेकर से जानवरों के बारे में जानकारी ली।भूसा, चुनी, आदि हरे चारों का निर्देश दिया। इस दौरान गौवंशीय को लू से बचाने व हरे चारे के आवश्यक निर्देश दिए। भूसा और बढ़ाने का निर्देश दिया।अगर किसी भी जानवर को कोई दिक्कत होती है तो तुरन्त मुझे सूचना देने के लिए कहा। मुख्य चिकित्सा धिकारी डॉ ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि गौशाला का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान कोई भी खामियां नही मिली है। प्रधान द्वारा अच्छे ढंग से गौशाला को चलाया जा रहा है।भूसा को और बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया है। बाकि साफ सफाई गौशाला में थी।प्रधान सेक्रेटरी को निर्देशित किया अगर जानवर को कोई भी दिक्कत हो तो तत्काल सूचना दे हम खुद आकर गायों को देख कर इलाज करेंगे। हमेशा सेवा भाव से गायों की सेवा करे। इस मौके पर ग्राम प्रधान मो मोजम्मिल, ग्राम विकास अधिकारी राजेश चौधरी, डॉ अरविंद श्रीवास्तव, रिंकू मौर्या,रीमा देवी, पंधारी यादव आदि लोग रहे।

अपर जिला जज ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में आज जिला कारागार हरदोई का निरीक्षण अपर जिला जजध सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भूपेन्द्र प्रताप द्वारा किया गया। अपर जिला जज द्वारा महिला बैरक में बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकरी प्राप्त की गई तथा महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चो के खान–पान के विषय में जानकारी की गई। अपर जिला जज ने बैरिकों में निरीक्षण के दौरान बंदियो से कहा कि धैर्य बनाये रखे और अपने मुकदमे की पूर्ण जानकारी अपने अधिवक्ता से ले आपकी समस्याओ के समा धान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सदैव तत्पर है। जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया कि बंदियों की समस्यायों के समाधान के लिए लीगल एड डिफेन्स काउंसिल से निःशुल्क विधिक सहायता के लिए प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रेषित करें। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार अधीक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी, जेलर संजय कुमार सिंह, डिप्टी जेलर ओमकार पांडेय, लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार मिश्रा, देवेन्द्र कुमार सिंह,पवन गुप्ता व अजय त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

खबर चलाने से पत्रकारों पर भड़के चौकी प्रभारी, पीठ पीछे दिए गली का आडियो आया सामने

केराकत, जौनपुर। पत्रकार और पुलिस सामाजिक व्यवस्था की वह अधूरी है जो समय–समय पर एक दूसरे के पूरक होकर काम करते हैं पत्रकार वह आइना होता है जो सामाजिक चिंतन के साथ समस्याओं को उजागर करता है अगर पुलिस अपनी खामियों को सुधारने की जगह पत्रकारों को ही पीठ पीछे गाली देने लगे तो आप क्या कहेंगे एक ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है हम बात कर रहे चंदवक थाना अंतर्गत बजरंग नगर चौकी के लेकरुवा गांव में एक महिला को दो युवक जमीन पर घसीटकर बेरहमी ईट पत्थर से पिट कर घायल कर दिए जिसका विडियो सोसल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया पर खबर शनिवार को प्रकाशित हुई। खबर के प्रकाशित होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया शाम होते होते बजरंग नगर चौकी प्रभारी विजय शंकर सिंह खबर से बौखलाकर पत्रकारों पर पुराने मामले को तुले पकड़वाने का आरोप लगाते हुए अशब्द भाषा का प्रयोग किए जिसका ऑडियो सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल ऑडियो की खबर रविवार को प्रकाशित होते ही हरकत में आई चंदवक पुलिस ने वायरल वीडियो के अभियुक्ता तराव मोड़ लेवरूवा से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुट गई।वायरल ऑडियो को लेकर जब एक्स पर पोस्ट किया गया तो बताया गया कि आरोप के संबंध में जांच क्षेत्राधिकारी केराकत को प्रेषित की गई है। अब देखना यह है कि पुलिस के उच्च अधिकारी चौकी प्रभारी के विरुद्ध क्या एक्शन लेते हैं।

मिली जानकारी अनुसार बीते 24 मई को चंदवक थाना के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी बजरंग नगर क्षेत्र के लेवारुवा गांव में दो पक्षों में विवाद हुआ था, जिसमें दो युवक हाथ में ईट लेकर एक महिला को जमीन पर पटक कर दनादन पीटने लगे, दोनों युवक द्वारा ईंटों से महिला के हर उस नाजुक अंगों पर प्रहार किया गया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो जायें, दोनो युवक सरेआम बेहरमी से महिला को पीट रहे थे लाचार महिला अपनी लज्जा बचाने के लिए अपने साड़ी को पकडकर जमीन पर लेटी रही और चीखती चिल्लाती रही। महिला की पिटाई करने के बाद दोनों युवक महिला का दोनों पैर पकड़कर ऊपर उठा दिए और फिर उसे जमीन में पटक दिया ।

वहां मौजूद किसी ने महिला की पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया वायरल कर दिया। पुलिस ने महिला का मामूली धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मनबढ़ युवक खुलेआम गांव में घूम रहें हैं।

देश की जनता ने बीजेपी के घमंड और अहंकार को तोड़ दिया है – अशोक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जौनपुर लोकसभा 73 सीट से उम्मीदवार रहे अशोक सिंह ने प्रेसवार्ता कर देश के मतदाताओं का पार्टी पर विश्वास जातने पर आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि देश की जनता ने बीजेपी के घमंड और अहंकार को तोड़ दिया है। यूपी समेत देश के बिभिन्न राज्यो में लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों को भरपूर समर्थन दिया है। और पार्टी की नीतियों पर अपनी आस्था जताया है।

मंगलवार को एक होटल में समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि प्रेसवार्ता बुलाने का मतलब सिर्फ जौनपुर के मतदाताओं का धन्यवाद प्रकट करना है।

मुझे और मेरी पार्टी को जनता ने वोट के रूप अपना आशीर्वाद दिया है।अन्य लोकसभा सीटों पर भी हमारे पार्टी के उम्मीदवारों को जनता ने भरपूर समर्थन दिया है।जनता ने भारतीय जनता पार्टी के घमंड को चकनाचूर कर दिया है।मैने चुनाव से पहले ही कहा था कि कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत में सरकार नही बना पायेगी वही हुआ।जनता सरकार से नाराज थी।भाजपा के 400 पार के नारे को जनता ने हवा कर दिया।भाजपा अपने सहयोगियों को साथ लेकर ज्यादा दिन तक सरकार नही चला पाएगी। देश मे एक बार फिर मध्यावती चुनाव के आसार है।

भरत जी के नाम से प्रत्येक प्रदेश में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की उठी मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अटल विश्व बंधुत्वेश्वर मंदिर निर्माण को लेकर पत्रकार वार्ता में अटल बिहारी वाजपेई जी के मानस पुत्र संजीव द्विवेदी ने कहा कि चित्रकूट में मिली हुई पादुकाएं संपूर्ण भारतवर्ष में चित्रकूट पादुका महोत्सव मनाते हुए आंतरिक बंधुत्व स्थापित करते हुए समस्त राज्यों की विधानसभा में पादुकाओं को भेंट करते हुए स्थापित करते हुए भरत जी के नाम से प्रत्येक प्रदेश में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए निवेदन करते हुए सभी सरकारों से ताकि राम और भरत जैसा बंधुत्व संपूर्ण देश में विश्व मे शिक्षा की पताका फहरे, जो नर सिंह नर वानर अब नर किन्नर के रूप मे दिखाई दे। ट्रस्ट के सचिव मदन मोहन शर्मा,अखिलेश त्रिवेदी उपाध्यक्ष, दिलीप विश्वकर्मा उपस्थित रहे। इस मौके पर पत्रकार आर एल पाण्डेय को शाल ऊढ़ाकर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।

वधु पक्ष ने वर पक्ष को लाठी डंडे से पीटकर किया घायल

जौनपुर। कोतवाली थाना के मछली शहर पड़ाव स्थित रूहट्टा उमरपुर क्षेत्र में रविवार सुबह दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें कुल दस लोग घायल हो गए। एक पक्ष को ज्यादा चोटे आई। तीन को गंभीरावस्था में जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस आवश्यक कार्यवाही में जुटी हुई है।

लाइन बाजार के चौकीपुर गांव निवासी जियालाल सोनकर का पुत्र प्रदुम्न लगभग वर्ष भर पुर्व कोतवाली थाना के मछली शहर पड़ाव स्थित रूहट्टा उमरपुर क्षेत्र की युवती से प्रेम विवाह किया था। तथा साल भर से पत्नी के साथ बाहर मुंबई रहता था। जियालाल को यह बात नागवार लगी तो पुत्र की मनमानी से आहत होकर उन्होने प्रदुम्न को सम्पत्ति से बेदखल कर दिया। साल भर बाद प्रदुम्न पत्नी सहित लौटा तो पहले अपने ससुराल रूहट्टा में ससुर काजू सोनकर के यहां गया। इसके बाद अपने सालों के साथ अपने घर चौकीपुर पहुंचकर विवाद करने लगा। वहां उसके माता पिता, भाई, बहनों ने आपत्ति किया तो मामला हाथपाई तक पहुंच गया। किसी तरह प्रदुम्न वहां से लौट कर वापस ससुराल आया। इधर जियालाल अपनी पत्नि कांति देवी, पुत्री पुनम, पुत्र चंद्रप्रकाश,अरुण को लेकर प्रदुम्न के ससुराल पूछताछ के लिए पहुंचे तो आक्रोशित प्रदुम्न और ससुरालियो ने लाठी डंडे इट पत्थर से हमला कर दिया। इसके बाद दोनो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमे जियालाल, कांति देवी, पुनम पुत्री जियालाल, चंद्रप्रकाश,अरुण पुत्र जियालाल को काफी चोट आई। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान पुनम, चंद्रप्रकाश, अरुण को भर्ती कर लिया गया। वही अगले पक्ष से युवती की मां संगीता देवी पत्नी काजू सोनकर, आदर्श, मुकेश, सचिन पुत्र काजू सोनकर तथा पड़ोसी रेखा सोनकर को हल्की चोटे आई। सभा घायलों का जिला अस्पताल में उपचार किया गया। पुलिस कार्यवाही में जुटी हुई है।

शत्रु सम्पत्ति से भी अवैध कब्जा हटने की उम्मीद

जौनपुर। जिला प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से नगर के मोहल्ला कटघरा से डेढ करोड़ की अवैध भूमि पर अवैध कब्जा हटवाया गया है उसकी सर्वत्र सराहना हो रही है।

इसी प्रकार से अन्य कई स्थानों पर जमीनों पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर रखा और उसकी षिकायत भी की गयी है लेकिन न जाने किन कारणों से कार्यवाही को अंजाम नहीं दिया जा रहा है जो चर्चा का विषय बना हुआ है और एक बार ऐसे जमीनों को मुक्त कराये जाने की आवयष्कता पर जोर दिया जा रहा है।

लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला चांदमारी पर दो करोड़ की शत्रु सम्पत्ति पर एक भू माफिया लगाकर कब्जा करा कर निर्माण अनवरत कराता जा रहा है इस बारे में भ्रष्टाचार मुक्तिमोर्चा द्वारा जिलाधिकारी और प्रदेष के उच्चाधिकारियों से लिखित षिकायत की गयी थी लेकिन आज तक उक्त अवैध जमीन को कब्जा से मुक्ति नहीं दिलाई दी जारही है। कटघरा की जमीन पर से कब्जा हटने पर चांदमारी मोहल्ले वालों का कहना है कि हो सकता है अब उक्त जमीन का भी भू माफिया से अवैध कब्जा गिरवा कर प्रषासन ऐसे लोगों को न बख्षने का सिलसिला जारी रखे।

देश ही नहीं विश्व ने योग के महत्व को समझा है – विनीता

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) आज डालसिंह मेमोरियल स्कूल में अस्तित्व फाउंडेशन के तत्वावधान में पतंजलि महिला समिति हरदोई की महिला जिला प्रभारी विनीता पांडे एवं सहयोगी बहनों ने योग शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। पतंजलि महिला समिति हरदोई की महिला जिला प्रभारी विनीता पांडे ने कहा कि देश ही नहीं विश्व ने योग के महत्व को समझा है।आज की आधुनध्कि शैली में बध्निा एलोपैथिक दवाओं के हम कैसे रह सकते हैं, यह योग सध्खिाता है। उन्होंने कहा कि एलोपैथिक दवाओं के साइड इफेक्ट भी हैं।एलोपैथिक दवाओं के इलाज में एक बीमारी और साथ आ जाती है. योग की दध्निचर्या और पद्धतध्ि है। जीवन में इस योग पद्धतध्ि का पालन करने से लोग कई बीमारध्यिों से दूर रहते हैं। योग शिविर में योग की जानकारी प्रदान की गई। जिसमें ताड़ासन त्रिकोणासन चक्त्रासन वज्रासन भुजंगासन शलभ आसन कपालभांति अनुलोम विलोम ध्यान प्राणायाम आदि अभ्यास कराए गए। इसने योगिंग जॉगिंग की क्रियाएं सूक्ष्म आसान खड़े और बैठने वाले सिखाए गए। जिसमें ताड़ासन लंबाई बढ़ाने के लिए ताड़ासन कमर के लिए पदहस्तान पेट कम करने के लिए जानुसिराशन पश्चिमोत्तासन मोटापा कम करने के लिए आदि आसान सिखाए गए। संगठन मंत्री संजय श्रीवास्तव सह संगठन मंत्री मीनू सैनी जी ,मुख्य योग शिक्षिका बीना त्रिपाठी,जी मीडिया प्रभारी एवं योग शिक्षिका कंचन गुप्ता आदि ने मिलकर योग की क्रियाएं करवाई। जिसमें अध्यापिकाएं बेटियों एवं बच्चों ने योग के सूक्ष्म आसान किये। अस्तित्व फाउंडेशन की अध्यक्ष ऋचा गुप्ता की टीम ने पूरा–पूरा सहयोग किया।

सुजानपुरा में आयोजित भंडारे में डिप्टी सीएम ने बांटा प्रसाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ–ज्येष्ठ ज्येष्ठ माह के अवसर पर आयोजित भंडारों की कड़ी में आलमबाग क्षेत्र स्थित सुजानपुरा में विनय सिंह के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उपस्थित होकर खुद से भक्तों को भंडारे के प्रसाद का वितरण किया। जिसकी सुजानपुरा क्षेत्र के निवासियों ने काफी सराहना की। सुबह 11:00 से रात्रि 8:00 तक चले भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विनय सिंह जो क्षेत्र में विनय पतंग के नाम से प्रसिद्ध है ने बताया की वह विगत कई वर्षों से ज्येष्ठ माह के तृतीय बड़े मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं जिसमें सुबह से रात तक बजरंगबली को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है और उसे प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।

आज चवालिस डिग्री के तापमान के बाद भी दोपहर में सूबे के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भंडारे में उपस्थित होकर अपने हाथों से भक्तों को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। जिसकी स्थानीय निवासियों ने काफी सराहना की। इस अवसर पर आनंद द्विवेदी, संतोष त्रिपाठी व स्थानीय सभासद बबलू सहित अनेक गणमान्यों ने उपस्थित होकर भंडारा ग्रहण किया।

संक्षिप्त खबरें

सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी के साथ किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले के तिर्वा में ठठिया क्षेत्र से दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी के साथ कई बार दुष्कर्म की घटना कों अंजाम दिया। मामला रफादफा करने के चक्कर में मां बेटी को बहला फुसलाकार गुजरात ले गया और कुछ दिनों बाद बेघर कर दिया। किसी तरह भीख मांग कर कन्नौज पहुंची और घटना की जानकारी बयां की। हरकत में आई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष किशनपाल सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर की गई है। किशोरी की डॉक्टरी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आपसी विवाद में पति ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। नशे में पति–पत्नी के बीच विवाद हो गया। जिससे नाराज पति ने फंदा लगाकर जान दे दी। मरका थाना क्षेत्र के इंगुवा गांव निवासी सुनील उर्फ छोटू सविता (38) ने शनिवार की देर रात अपने घर के अंदर बांस की धन्नी में फंदा लगाकर जान दे दी। पत्नी नंदनी ने बताया कि सुनील शनिवार रात नशे में घर आया और अभद्रता करने लगा। समझाने पर खाना खाकर अपने कमरे में चला गया। रविवार सुबह वह सोकर उठी तो सुनील का शव फंदे से लटक रहा था। मरका थानाध्यक्ष नरेश कुमार प्रजापति ने बताया कि नशे में पति–पत्नी का आपसी विवाद हुआ है। इसी के चलते उसने फंदा लगाकर खुदकुशी की है।

युवक ने गांव जाकर युवती को गोली मारी, खेत में खुद ने कर ली आत्महत्या

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के नागल थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर जाकर एक युवक ने घर में घुसकर युवती पर गोली चला दी। युवती को मरा समझ युवक फरार हो गया और नजदीक खेत में जाकर खुद को गोली मार ली। पुलिस घटना को एकतरफा प्यार में मानकर चल रही है। घटना नागल के गांव ताजपुर की है। देवबंद थाना के गांव भायला निवासी राजन पुत्र सोमपाल सुबह करीब दस बजे युवती के घर पहुंचा। घर में युवती और उसकी मां मिली। युवती को देखते ही युवक ने उस पर गोली चला दी। इस पर युवती घायल हो गई। उसे स्वास्थ्य केंद्र नागल ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया। युवती की हालत गंभीर है। घटना को अंजाम देकर युवक गांव के नजदीक खेत में पहुंचा और उसी तमंचे से खुद गोली मार ली। उसकी मौके पर मौत हो गई। बताया जाता है कि ताजपुर में युवक की बुआ रहती है। जिसके चलते उसका आना जाना रहता था। युवती भी एक वर्ष से पढ़ाई नहीं कर रही थी। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। अभी तक जांच में एकतरफा प्यार की बात सामने आ रही है।

रेत की तस्करी रोकने पर खान अधिकारी से अभद्रता

शामली, संवाददाता। हरियाणा के यमुनानगर से रेत की तस्करी कर ले जा रहे ट्रेलर को निकालने के लिए तीन कार में सवार लोगों ने खान अधिकारी के साथ अभद्रता और होमगार्ड के साथ हाथापाई की है। पुलिस की मदद से रेत से लदे ट्रेलर को पकड़ा गया। खान अधिकारी तहरीर पर पुलिस ने ट्रेलर चालक को नामजद कर तीन कारों में सवार अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिला खान अधिकारी आशीष द्विवेदी ने शहर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सात जून को शाम साढ़े चार बजे मेरठ–करनाल हाईवे पर सिंभालका पुल पर उप खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान बाईपास पर एक ट्रेलर को रोकने की कोशिश की तो चालक ने ट्रेलर को तेज गति से दौड़ा दिया। पीछा कर ट्रेलर को पकड़ लिया। आरोप है कि इसी दौरान बोलेरो में सवार लोग आए। उन्होंने अपने आप को भाकियू तोमर बताते हुए होमगार्ड के साथ हाथापाई करते हुए उसे ट्रेलर से नीचे उतारते हुए खान अधिकारी से अभद्रता की। इसके बाद ट्रेलर को मेरठ की तरफ ले भागे। लांक चौकी पर पुलिस की मदद से रेत के ट्रेलर को पकड़ लिया। इसी दौरान दो कार में आए लोगों ने होमगार्ड से हाथापाई की। पुलिस ने सख्ती कर ट्रेलर को कब्जे में ले लिया। खान अधिकारी का कहना है कि जब कागजात मांगे तो ट्रेलर के चालक आजम खान ने यमुनानगर से रेत भरना बताया जबकि उसके पास दूसरे राज्य के लिए रेत ले जाने संबंधी कागज नहीं थे। वहीं तीन गाड़ियों में सवार लोग ट्रेलर को यूपी से पार कराने के लिए साथ चल रहे थे। खान अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने ट्रेलर चालक आजम खान निवासी सरधना जिला मेरठ को नामजद करते हुए तीनों गाड़ियों के नंबरों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

उधर, भाकियू तोमर के प्रदेश महासचिव वकील चौहान का कहना है कि दो दिन पहले उनके पास संगठन के मेरठ के पदाधिकारियों का फोन आया था। उन्होंने बताया था कि वे रेत का ट्रेलर लेकर जा रहे थे। मेरठ हाइवे पर पर खान अधिकारी उनसे अवैध वसूली की कोशिश कर रहे हैं। इसे लेकर पदाधिकारियों की खान अधिकारी के साथ नोकझोंक हो गई थी। खान अधिकारी ने पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी थी। खान अधिकारी से अभद्रता व होमगार्ड से हाथापाई करने का आरोप गलत है।

पैलानी केन नदी पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद

बांदा, संवाददाता। पैलानी में केन नदी पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने पर सप्ताह भर पहले एक तरफ का आवागमन बंद कराया गया था। अब प्रशासन ने अवरोध खड़ा कर पूरी तरह आवागमन रोक दिया है। जसपुरा व पैलानी से जनपद मुख्यालय आने वालों व खप्टिहाकलां सहित कई गांवों के लोगों को तहसील मुख्यालय पहुंचने में भारी दिक्कतें होंगी। पैलानी तहसील मुख्यालय के पास से गुजरी केन नदी में बना पुल अब पूरी तरह आवागमन के लिए रोक दिया गया है। हमीरपुर–बांदा स्टेट हाईवे पर बने इस पुल से सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। दो जून को पुल के एक पिलर का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण प्रशासन ने एक तरफ का रास्ता बंद करा दिया था। अब करीब सप्ताह भर बाद इसमें आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया है। किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले ने इस व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रशासन ने आवागमन का कोई दूसरा विकल्प तैयार किए बिना आवागमन पूर्णतया बंद करा दिया है। इससे करीब आधा सैकड़ों गांवों के लोग तहसील नहीं पहुंच सकेंगे।

अयोध्या धाम में जगतगुरु राम दिनेशाचार्य जी महाराज के साथ ब्रह्म कुमारी की विशिष्ट लोगों से हुई चर्चा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या धाम के हरी धाम रामगोपाल मंदिर पर जगतगुरु राम दिनेश आचार्य जी महाराज के तत्वाधान में सनातन की मूल आधार पर ब्रह्माकुमारी आश्रम की विशिष्ट लोगों से चर्चा हुई, इस बैठक में इलाहाबाद जोनल इंचार्ज एवं धार्मिक प्रभाग के अध्याय राजयोगिनी जगत दीदी मनोरमा दीदी एवं गुजरात से आई राजयोगिनी जगत दीदी स्थानीय संचालक अयोध्या धाम आश्रम के बी .के. मुकेश भाई भी मौजूद रहे। राजयोगिनी मनोरमा दीदी ने कहा कि सनातन का मूल आधार पवित्रता है ,जिसको आप संतो ने जीवन का आधार बनाकर आप संतो ने भारत की प्रतिष्ठा मान मर्यादा को बचाकर रखा है जो की मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र को दर्शाता है और हम ब्रह्माकुमारी भी शिव परमात्मा से मानसिक सगाई करके संपूर्ण पवित्रता का पालन करते हुए श्री राम एवं सीता की चरित्र विश्व के पटल पर प्रत्यक्ष कर रहे हैं ऐसे समय पर जगतगुरु दिनेश आचार्य जी ने मनोरमा बहन से कहा कि वह धार्मिक नगरी अयोध्या से जुड़कर अपनी गतिविधियों को तेज करें आप जैसे विद्युत की जरूरत है हम सब साथ हैं इस कार्यक्रम में अधिक संख्या में इलाहाबाद एवं गुजरात आश्रम आई बहने मौजूद थी, और सभी लोगों ने रामलाल का दर्शन किया।

किसान समेत तीन घरों में लाखों की चोरी

शामली, संवाददाता। गांव बुच्चाखेडी में शनिवार रात को बदमाशों ने तीन घरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। किसान के घर से करीब 13 लाख रुपये के सोने–चांदी के जेवर और 50 हजार की नकदी चोरी हुई इसके अलावा होमगार्ड के घर से बैटरा और एक अन्य ग्रामीण के घर से मोबाइल फोन चोरी हुआ है। एक रात में तीन चोरी की वारदात होने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर घटना की जांच–पड़ताल की। गांव बुच्चा खेड़ी में रात को किसान मोहकम सिंह के पुत्र इंजीनियर मनीष ने बताया उसकी पत्नी बच्चों के साथ अपने मायके गई हुई है। उनका एक भाई संदीप हिमाचल के शिमला में एसएसबी में तैनात है और दूसरा भाई सेठपाल राजस्थान के कोटा में सीआईएसएफ में तैनात है। दोनों भाइयों की पत्नी और बच्चे उनके साथ रहते है। दोनों भाइयों की पत्नी के जेवर गांव में उनके अलग–अलग कमरों में रखी अलमारी में रखे हुए थे। रात में उनके पिता मोहकम सिंह व माता घर के बराबर में स्थित घेर में सोए हुए थे। मनीष के मुताबिक उसकी बहन ससुराल से आई हुई है, जो अपने बच्चों के साथ छत पर सो रही थी। इस कारण जीने का दरवाजा भी खुला हुआ था। वह घर में सोया हुआ था। रात में चोरों ने उसकी दोनों भाभी की अलमारी के गेट तोड़कर उनके सोने चांदी के जेवर जिनमें गले के दो हार, चार कंगन, दो जोड़ी कुंडल, दो सोने की चेन, दो नथ, दो टीके व चार अंगूठी जिनका वजन करीब 18 तोला है। इसके अलावा आधा किलो चांदी के जेवर और 50 हजार की नकदी चोरी कर ली। इनके अलावा गांव के कदम सिंह के घर में चोर घुसे। वहां से केवल उनके हाथ मोबाइल फोन लगा। गांव निवासी होमगार्ड रूबी के घर से चोरों ने बैटरा चोरी कर लिया।

भारतीय सरकार गठित होने की समस्त देश वासियों को मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर ने दी बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। जय भारत, जय हिन्द,, भारतीय लोकतंत्र के महापर्व में अपना मतदान कर अपनी भागीदारी सुनश्चित् करने के लिए सभी देशवासियों का ह्रदय से आभार, राष्ट्र प्रथम की भावना से मतदान करने वाले मतदाताओं का वंदन और अभिनंदन,, आशा है कि जिन मतदाताओं ने अपना मतदान,, धर्म, जाति,लोभ, लालच, भ्रम और भय से किया है, वह आने वाले समय में, राष्ट्र प्रथम की भावना को ध्यान में रखकर अपना मतदान करेंगे,, आओ हम सब अपने महान देश को सशक्त भारत, सुरक्षित भारत, एक भारत, श्रेष्ठ भारत,,और विकसित भारत,,बनाने में अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित करें, हमारा भारत देश महान, लोकतंत्र बलवान,, हमारा सर्वश्रेष्ठ संबिधान,, राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि,, भारतीय सरकार गठित होने की समस्त देशवासियों को बधाई,भारत माता की जय, वन्दे मातरम,, मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर,,।

डेढ़ करोड़ रूपए मूल्य की सरकारी जमीन को कराया मुक्त

जौनपुर। चुनाव आचार संहिता समाप्त होते ही सोमवार को उप जिलाधिकारी सदर पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली के मोहल्ला कटघरा में करीब डेढ़ करोड़ रूपये मूल्य की सरकारी जमीन पर किये गए अवैध कब्जे को ध्वस्त कराकर पूरी जमीन को नगर पालिका परिषद को सुपुर्द कर दिया गया है। नईबाजार कटघरा निवासी अरविंद चौहान ने शिकायत किया था कि बंजर खाते की सरकारी जमीन पर आराजी नंबर 149/1 क्षेत्रफल 121 एयर पर प्रदीप शिवशंकर एवं रविन्द्र उर्फ बच्चन एवं साहब लाल यादव आदि लोग गलत तरीके से निर्माण करके जमीन पर कब्जा किए हुए है। जिला प्रशासन ने जांच कराया, जांच में शिकायत सही मिली इसके बाद जिलाधिकरी ने अवैध अतिक्रमण हटाने का निर्देश उपजिलाधिकारी को दिया। डीएम के आदेश के क्रम मे एसडीएम सदर पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मय बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंच कर सभी अवैध अतिक्रमण को हटवा कर सरकारी जमीन को मुक्त करा दिया है। सरकारी रेट के अनुसार जमीन की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रूपये कीमत की है। कब्जाइयो से कब्जा हटवा कर जमीन को तत्काल नगर पालिका परिषद के ईओ को सुपुर्द कर दिया गया है। इस तरह डीएम के आदेश पर एसडीएम एक बड़ी सरकारी सम्पत्ति मुक्त कराने में सफल रहे।

नगर निगम में 17 लाख के डीजल का नहीं मिल रहा हिसाब

सहारनपुर, संवाददाता। नगर निगम की ओर से ऑडिट विभाग को उपलब्ध कराए गए वाहनों में डीजल खर्च के आंकड़े बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहे हैं। मात्र नौ वाहनों में खर्च हुए डीजल में 17 लाख रुपये का अतिरिक्त तेल खर्च होना पाया गया है। इन वाहनों में 23,362 लीटर डीजल खर्च होना था, जबकि 42,401 लीटर डीजल खपा दिया गया। 70 से अधिक वाहनों के डीजल खर्च का ऑडिट बाकी है। नगर निगम के गैराज विभाग द्वारा महानगर की सीमा के भीतर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए वाहनों का इस्तेमाल किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के डीजल खर्च के ऑडिट को लेकर ऑडिट विभाग द्वारा गैराज विभाग से वाहनों की लॉगबुक और जीपीएस विवरण मांगा जा रहा है। 66 वाहनों की मौजूदा लॉगबुक उपलब्ध कराई गई, जिनमें से 61 लॉगबुक बिना ऑडिट किए वापस ले ली गईं। बार–बार पत्र लिखने के बाद नौ वाहनों की लॉगबुक और जीपीएस का विवरण उपलब्ध कराया गया है। इनमें एक अप्रैल 2023 से 22 अप्रैल 2024 तक के डीजल खर्च का ऑडिट किया गया है। इनमें घंटों के चलने के हिसाब से अधिकतम 23,362 लीटर डीजल दिया जाना था, लेकिन उक्त वाहनों को 42,401 लीटर डीजल दिया गया, जो अधिकतम मानक से 19,039 लीटर अधिक है। इसकी कीमत करीब 17 लाख रुपये है। केवल नौ वाहनों के डीजल खर्च में एक साल में 17 लाख रुपये के अंतर बड़े घोटाले की ओर इशारा करता है।

– 72 वाहनों के जीपीएस का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया

ऑडिट विभाग को जीपीएस अभिलेखों के अलावा 72 वाहनों में लगे जीपीएस का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसके अलावा बड़ी पोकलेन मशीन भी चलाई जा रही है, जिसे वित्तीय वर्ष एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक स्टॉक बुक के अनुसार 26,394 लीटर डीजल जारी किया गया। इसका रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत प्यारेपुर ,विकास खण्ड–करंजाकला,जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0म0/ दिनांक 10.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11.06.2024 से 18.06.2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 18.06.2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपराह्न 2 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
श्रीमती साधना यादव

ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम सचिव
मुकेश मौर्या

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।